GAO-054030

Seat No. _____

M. A. (Sem. IV) Examination

March / April - 2019

MA00C405 : Hindi

(Hindi Rangmanch)

Time : 3 Hours] [Total Marks : 70

सूचना : 'क' विभाग के प्रश्नों के उत्तर ५००–६०० शब्दों में तथा 'ख' विभाग के प्रश्नों के उत्तर १०० शब्दों में लिखिए ।

१ (क) हिन्दी रंगमंच के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए । १०

अथवा

हिन्दी नाटक के उद्‌भव एवं विकास की रूपरेखा स्पष्ट कीजिए ।

(ख) नाटक और रंगमंच में सम्बन्ध ४

अथवा

भारतेन्दुयुगीन नाटक एवं रंगमंच

२ (क) हिन्दी रंगमंच का परिचय दीजिए । १०

अथवा

हिन्दी रंगमंच की विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) इप्टा अथवा पारसी थियेटर ४

३ (क) "आठवाँ सर्ग " नाटक के कथ्य की समीक्षा कीजिए । १०

अथवा

रंगमंच की दृष्टि से आठवाँ सर्ग का मूल्यांकन कीजिए ।

(ख) "आठवाँ सर्ग" में रचनाकार एवं राजव्यवस्था का द्वन्द्व ४

अथवा

प्रियंगुमंजरी का चरित्र

४ (क) "एक और द्रोणाचार्य" नाटक में वर्तमान शिक्षा संस्थानों में व्याप्त असंगतियों पर प्रहार किया गया है-इस कथन की समीक्षा कीजिए । १०

अथवा

"एक और द्रोणाचार्य" नाटक की रंगमंचीयता पर प्रकाश डालिए ।

(ख) "एक और द्रोणाचार्य" में दृश्य योजना ४

अथवा

अरविन्द का चरित्र

५ सूचनानुसार कीजिए:

(क) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: १०

(१) .....को पंचमवेद माना गया है ।

(नाट्यशास्त्र,काव्यशास्त्र,व्याकरणशास्त्र)

(२) अरस्तू ने.....ग्रन्थ में ट्रेजेडी के विषय में विस्तार से विचार किया है ।

(गणराज्य,काव्यशास्त्र,लिरिकल बैलेड्स)

(३) .....अप्रेल हिन्दी रंगमंच दिवस मनाया जाता है ।

(तीन,चार,पाँच)

(४) सुरेन्द्र वर्मा का जन्म.....में हुआ ।

(आगरा,लखनउ,झाँसी)

(५) आठवाँ सर्ग का आधार कालिदास रचित महाकाव्य.....है ।

(रघुवंश,कुमारसंभव,मेघदूत)

(६) एक और द्रोणाचार्य नाटक में गुरू द्रोणाचार्य की जीवन वृत्ति की सगानता.....से की गई है ।

(विमलेन्दु,अरविन्द,राजकुमार)

(७) 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में कुल..... दृश्य है ।

(दश,ग्यारह,बारह)

(८) "आठवाँ सर्ग".....अंको का नाटक है ।

(दो,तीन,चार)

(९) अरविन्द.....है ।

(प्रोफेसर,वकील,डाक्टर)

(१०) ..... नाटक जयशंकर प्रसाद का है ।

(भारतदुर्दशा,चन्द्रगुप्त,कोणार्क)

(ख) सही-गलत की पहचान कीजिए: ४

(१) प्रगतिशील नाटकों का मंचन इप्टा द्वारा किया गया ।

(२) एक और द्रोणाचार्य तीन भागों में लिखा गया है ।

(३) कीर्तिभट्ट आठवाँ सर्ग नाटक का चरित्र है ।

(४) शंकर शेष का जन्म फिरोजपुर में हुआ ।